Draft Paper

Date______
Page______

Q. जैफरसन के उपलब्धियों पर प्रकाश डाले?

Ans- अमेरिकन राष्ट्रपतियों में थॉमस जैफरसन का प्रमुख स्थान है। स्वयं जैफरसन ने 1800 ई० में अपनी जीत क्रांति कहकर सम्बोधित किया था यद्यपि तो जैफरसन के इस कथन का औचित्य एक विवाद का प्रश्न है, क्योंकि उसके इस दावे के बारे में मतभेद है कि उसने अमेरिका की राजनीति और जन-जीवन से राजतंत्रवाद एवं कुलीनवाद की सम्भावनाओं को समाप्त कर, वास्तव में एक क्रांति उत्पन्न कर दिया था। परन्तु इतना अवश्य स्वीकार करना पड़ेगा कि जैफरसन ने अमेरिकन प्रजातंत्र के नींव को ~~यथासम्भव~~ यथासम्भव दृढ़ बनाने का प्रयत्न किया और अमेरिकन राष्ट्र को एक उज्जवल भविष्य का स्वप्न देखने की आशा प्रदान की।

यद्यपि जैफरसन के शासनकाल के उद्घाटन से जो 19वीं ~~शताब्दि~~ शताब्दी के प्रथम वर्ष में हुआ, रूढ़िवादी अमेरीकी नागरिकों में, विशेषकर कट्टर संघवादियों में अनेक प्रकार की आशंकाएँ उत्पन्न हो गई। इन लोगों को भय था कि भय था कि जैफरसन उग्र नीतियों का अनुसरण कर अमेरिकन संघ को शक्तिहीन ~~करेगा~~ बनाने का प्रयत्न करेगा। किन्तु जैफरसन ने अपने कार्यक्रम और नीतियों द्वारा शनैः शनैः इन आशंकाओं को दूर कर दिया। वह कृषक गणतंत्रवादी होते हुए भी अपनी नीतियों में उग्रता से दूर रहा एवं साधारण एवं संतुलित सुधारों से ही संतुष्ट रहा। अपने शासनकाल में अमेरिका की राजनीति और प्रशासन में रचनात्मक कार्य करने में उसने सफलता प्राप्त की, जो निम्नलिखित है:-

1.- प्रशासन को मजबूत बनाने से संबंधित कार्य:- राष्ट्रपति बनते ही जैफरसन ने प्रशासन पर ध्यान दिया। उसने अपने निकटतम मित्र एवं शिष्य वर्जीनिया के "जेम्स मैडिसन" को अपना विदेश सचिव, और "पेनसिलवेनिया" के "एल्बर्ट-गेलेटिन" को वित्त सचिव के पदों पर नियुक्त किया। इन दो व्यक्तियों ने जैफरसन के शासनकाल में सर्वाधिक

Scanned with CamScanner

महत्वपूर्ण कार्य किया। पद ग्रहण करने के पश्चात् जैफरसन को अपने दल के सदस्यों की इस मांग का सामना करना पड़ा कि प्रशासन में उन अधिकारियों को, जो संघवादियों के शासन काल में नियुक्त किये गये थे और जो लोग अधिकांशतः "न्यू इंगलैण्ड" क्षेत्र के थे, उनके प्रभुत्व को समाप्त करें। अमेरिका में यह विचित्र बात थी कि प्रशासन में विभिन्न और अनेक अधिकारियों को नियुक्ति राजनैतिक दृष्टि से की जाती थी। जैफरसन अपने दल की मांग को पूर्णतः ठुकरा नहीं सकता था। प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, अधिकारी वर्ग से संघवादियों का प्रभाव समाप्त करना आवश्यक था। इसलिए जैफरसन ने ऐसा नीतिबद्ध कार्यक्रम प्रारंभ किया, जिसके द्वारा सेवाओं से संघवादियों को मुक्त किया जा सका, और उनके स्थान पर अपने दल के समर्थकों को नियुक्त किया गया। संघवादियों के प्रशासन काल में शासन-व्यवस्था का ढांचा आवश्यकता से अधिक बढ़ गया था और उसके साथ-साथ प्रशासन में शान-शौकत और प्रदर्शन अधिक महत्व रखने लगा था। जैफरसन ने इस दिशा में व्यय को कम करने का प्रयत्न किया और सादगी का वतावरण तैयार किया।

2.- वित्तीय सुधार :- जैफरसन के शासन काल में सर्वप्रथम वित्तीय सुधारों की ओर ध्यान दिया गया। वित्त-सचिव "गैलेटिन" को जैफरसन ने यह आदेश दिया कि प्रशासन के खर्चे में अधिक से अधिक कमी की जाय तथा करों को भी कम किया जाय। वित्तीय व्यवस्था में, खर्च में कमी एवं बचत के कार्यक्रम को लागू करने के लिए गैलेटिन ने विभिन्न प्रकार के उपाय किये। इन सभी उपायों का लक्ष्य साधारण जनता को कर के भार के भय से मुक्त करना था तथा राष्ट्रीय ऋण को धीरे-धीरे समाप्त करना था। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए

Scanned with CamScanner

गेलेटिन ने सर्वप्रथम सैनिक, असैनिक तथा विदेशों में दूतावास सम्बन्धी खर्च में कमी करने का प्रयास किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि "गेलेटिन" की तलवार सैनिक खर्च पर बड़े जोर से सान पड़ी थी। किन्तु जल सेना संबंधी खर्चे में कमी करने के अपने कार्यक्रम में उसे संशोधन करना पड़ा क्योंकि 1802 से 1805 के बीच अमेरिका को उत्तरी-अफ्रीका में अपने व्यापार को भूमध्य सागर में सुरक्षित रखने हेतु "ट्रिपोली" का युद्ध लड़ना पड़ा था।

वित्तीय सुधारों के कार्य-क्रम में "गेलेटिन" ने दूसरा महत्वपूर्ण कदम 'आंतरिक राजस्व को कम कर के उठाया। इस प्रकार का कार्य निस्संदेह एक साहसी कार्य था, क्योंकि कोई भी सरकार आय में कमी कटिनाई से ही कर सकती है। लेकिन गेलेटिन ने जैफरसन के आदेश तथा दल के कार्य-क्रम को ध्यान में रखते हुए 'आंतरिक राजस्व को घटाया। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह प्रशासन में आंतरिक सुधारों के माध्यम से व्यय को कम कर रहा था और सैनिक तथा दूतावास सम्बन्धी खर्च को कम कर चुका था। फिर भी आंतरिक राजस्व की कमी से उत्पन्न परिस्थिति के कारण उसने एक तीसरा मौलिक सुधार किया और स्पष्ट आदेश दिया कि कोई भी व्यय किसी भी परिस्थिति में, प्रस्तावित एवं स्वीकृत की गई धन राशी से अधिक नहीं होना चाहिए। गेलेटिन ने वित्तीय सुधारों की शृंखला में राष्ट्रीय आय के स्रोत में कमी करके एक सुव्यवस्थित कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया।

इस प्रकार जैफरसन ने अपने दल द्वारा में दिये गये आश्वासन को पूरा किया।

गेलेटिन ने अपने वित्तीय सुधारों में जैफरसन के आदेशों का पालन किया। जैफरसन अपने उद्घाटन भाषण में राष्ट्रीय ऋण के प्रश्न पर आश्वासन दे चुका था। वह उसे राष्ट्र को गिरवी रखने के समान समझता

Scanned with CamScanner

था, और इसलिए उससे मुक्ति प्राप्त करने को सम्मान का प्रश्न मानता था। आंतरिक राजस्व के प्रश्न पर गैलेटिन मद्य उत्पादन कर को स्वयं रखना चाहता था किन्तु जैफरसन इसे संघवादियों के प्रशासन का घृणात्मक अवशेष समझता था। इसलिए उसे भी समाप्त कर दिया गया। इस सब सुधारों का परिणाम यह हुआ कि सरकार को आयात और निर्यात करो पर अधिक निर्भर होना पड़ा जिसके परिणाम-स्वरुप 1812 के युद्ध के समय बड़ी कठिनाई का सामना पड़ा क्योंकि युद्ध के कारण विदेशी व्यापार लगभग ठप हो गया था।

3. न्यायपालिका से मुठभेड़ :- जैफरसन एवं उसके गणतांत्रिक दल के लोग संघीय न्यायपालिका को शंका की दृष्टि से देखते थे तथा उसे संघवादियों का गढ़ समझते थे। इतना ही नहीं उसके दल को न्यायपालिका की बढ़ती हुई शक्ति, विशेषतः संघवादी न्यायधीशों की शक्तियों एवं अधिकारों के प्रति कोई सद्भावना नहीं थी। इसलिए जैफरसन ने 1800 के न्यायपालिका सम्बन्धी अधिनियम को जिसके द्वारा न्यायधीशों के स्थान स्वीकृत किये गए थे, रद्द कर दिये। इतना ही नहीं, उसने अनेक संघवादी न्यायधीशों के विरुद्ध महाभियोग की कार्यवाही प्रारम्भ की। न्यू हैम्पशायर के संघवादी जिला न्यायलय के जज जॉन पिकेरिंग को उसके पद से हटा दिया तथा सर्वोच्च न्यायलय के सैम्युअल चेज पर महाभियोग लगाया गया हालांकि बाद में वह मुक्त कर दिया गया था।

न्यायपालिका के सम्बन्ध में जैफरसन कटु भावना रखता था। उसने एक बार यह विचार व्यक्त किया कि

Scanned with CamScanner

संघवादियों ने चुनाव में हार कर न्यायपालिका में शरण लेने का कार्यक्रम बनाया है जहाँ से वे गणतन्त्रवादियों से संघर्ष करते रहना चाहते है। जैफरसन ने न्यायपालिका से अपने संघर्ष को इस प्रकार एक राजनैतिक रूप दिया और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव) में अपने समर्थकों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया कि वे संघवादी न्यायधीशों के विरुद्ध महाभियोग की कार्यवाही करने के लिए प्रस्ताव रखें। जैफरसन की न्यायपालिका से लड़ाई मारबरी बनाम मैडिसन (1803) के मुकदमें से शुरू हुई थी। मुख्य न्यायधीश मार्शल से उसके सम्बन्ध प्रारम्भ से ही सन्तोषजनक नहीं थे। इसमें संदेह कि मार्शल रूढ़िवादी था और उसके चारों ओर अप्रगतिशील लोगों का समूह था जबकि जैफरसन अपनी नीतियों में प्रगतिशील रहना चाहता था तथा न्यायपालिका एवं उसके बीच उत्पन्न हुए विवाद में राष्ट्र को सर्वोपरि रखना चाहता था।

(4) लुइसियाना की खरीद :- जैफरसन के शासन युद्ध काल की सबसे महत्वपूर्ण घटना लुइसियाना की प्राप्ति थी, जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका के भूभाग को लगभग दुगना कर दिया था। लुइसियाना के क्षेत्र में, जो कि मिसिसीपी के पश्चिम का समस्त क्षेत्र था, संयुक्त राज्य अमेरिका का स्वाभाविक विकास हो सकता था। इस क्षेत्र में अमेरिका के हाथों में होने ~~पर ही~~ ओहायो ~~तथा~~ टैनेसी के इसलिए भी आवश्यक था क्योंकि मिसिसीपी नदी घाटी में नियंत्रण होने पर ओहयो तथा टैनेसी के क्षेत्र में व्यापार करने वाले लगभग 60 हजार अमेरिकनों के स्वार्थों की रक्षा की जा सकती थी। लुइसियाना पर स्पेन का प्रभुत्व था, लेकिन 1800 में स्पेन ने सेनअलडीफेन्सो की गुप्त संधि के द्वारा लुइसियाना का क्षेत्र फ्रांस को प्रदान कर दिया था। इस सूचना से संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ी चिन्ता उत्पन्न हो गयी।

Scanned with CamScanner

नेपोलियन फ्रांसीसी उपनिवेशों को पुनः प्राप्त करने के स्वर्ण युग का स्वप्न देख रहा था। वह सेन्टोडोमिनगो पर फ्रांसीसी प्रभुत्व को पुनः वास्तविक बनाना चाहता था तथा वेस्ट-इंडीज द्वीपों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता था। वहाँ से वह लुइसियाना के क्षेत्र को फ्रांसीसी उपनिवेश का एक अंग बना कर समस्त मिसिसीपी घाटी को अपने अधिकार में रखना चाहता था। इस प्रकार के विशाल उपनिवेश की स्पेन के शासकों ने भी कल्पना नहीं की थी। नेपोलियन की इस दशा में सफलता में अमेरिकन प्रजातन्त्र को सबसे बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता था। नेपोलियन द्वारा बनाई गई योजना में इस बात का ध्यान नहीं रखा गया कि उसके कार्यक्रम से अमेरिका में तुरन्त प्रतिक्रिया होगी। फ्रांस और स्पेन के बीच हुई गुप्त सन्धि स्पष्ट नहीं थी क्योंकि उसमें लुइसियाना का क्षेत्र स्पष्ट नहीं किया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका फ्रांस के प्रति मैत्री भावना रखता था और यह बात स्वयं जेफरसन ने स्पष्ट की थी, किन्तु साथ ही यह चेतावनी भी दी थी कि अमेरिका न्यू आर्लियन्स के सुन्दर नगर और बन्दरगाह पर स्थायी रूप से किसी दूसरी शक्ति का अधिकार कभी भी स्वीकार नहीं करेगा। उसने अधिक स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर फ्रांस न्यू आर्लियन्स अपने कब्जे में लेगा तो अमेरिका तुरन्त ब्रिटिश राष्ट्र और उसकी जल सेना से घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित कर लेगा। लुइसियाना क्षेत्र तथा न्यू आर्लियन्स के बन्दरगाह के प्रश्न पर समस्त अमेरिका में चिंताजनक भावनायें व्याप्त थीं एवं दृष्टिकोण की एकता थी इसलिए जेफरसन ने जो

Scanned with CamScanner

कुछ कहा वह केवल राष्ट्रीय भावनाओं का प्रतीक था।
1800 की गुप्त संधि के दो वर्ष पश्चात तक स्पेन के अधिकारियों ने न्यू आर्लियन्स में अपने स्थानों को फ्रांसीसियों को नहीं दिया था। उन्होंने अकस्मात ही अमेरिका के समान को, जिसे बिना किसी कर के आयात और निर्यात के लिये भण्डारण की सुविधा दी जाती थी, रोक दिया। यह कार्यवाही एक प्रकार से अमेरिका के विरुद्ध की गई एकतरफा आर्थिक नाकेबन्दी थी जिससे अमेरिका के व्यापारियों में तुरन्त रोष की भावना उत्पन्न हो गई। जैफरसन ने, जो अमेरिका के व्यापारियों के प्रति सहानुभूति रखता था, शान्त कूटनीति द्वारा कार्य करना उचित समझा। उसने मार्च 1803 में जेम्स को विशेष दूत के रूप में फ्रांस भेजा और उसे आदेश दिया कि फ्रांस में स्थित अमेरिका के राजदूत लीविंगस्टन के सहयोग से न्यू आर्लियन्स और उसके आस-पास का, विशेषकर मिसिसीपी के बायें किनारे के क्षेत्र और हो सके तो फ्लोरिडा इत्यादि के क्षेत्र भी फ्रांस से खरीदने का प्रयत्न करें। यदि नेपोलियन आनाकानी करे तो मनरो को यह भी आदेश दिया गया था कि वह कम से कम व्यापार की स्वतंत्रता करने का प्रयत्न सुरक्षित अवश्य करे और यदि इसमें भी सफलता प्राप्त न हो सके तो यह स्पष्ट कर दे कि अमेरिका फ्रांस के विरुद्ध इंग्लैण्ड से सांठ-गांठ कर लेगा।

अमेरिका के प्रतिनिधियों एवं नेपोलियन में वार्तालाप की गति प्रारम्भ में धीमी रही, लेकिन घटनाक्रम ने फ्रांसीसी अधिनायक को विवश कर दिया। सैन्टडोमेन गो पर पुनः पूर्ण अधिपत्य स्थापित करने फ्रांसीसी सेनायें असफल रहीं। वहाँ के काले लोगों और पीले बुखार ने

35 हजार फ्रांसीसी सैनिकों को हताहत कर दिया। सैन्टाडोमिनगो के विषय पर आधिपत्य नेपोलियन के लिए स्वप्न बन गया। सैन्टोडोमिनगो के बिना लुइसियाना भी आकर्षण नहीं रखता था। फिर इंग्लैण्ड की जल सेना लुइसिआना पर कभी भी अधिकार कर सकती थी, यदि इंग्लैण्ड और फ्रांस के मध्य युद्ध विराम समाप्त हो जाता। इतना ही नहीं लुइसिआना पर फ्रांसीसी आधिपत्य रखना एक प्रत्यन्त दुर्लभ कार्य था क्योंकि सीमाओं पर रहने वाले हजारों अमेरिकन नागरिक लुइसिआना के क्षेत्र पर कभी भी आक्रमण पर फ्रांस से उसे छीन सकते थे। संभवत: फ्रांस की तत्कालीन आर्थिक स्थिति ने भी नेपोलियन को इस दिशा में विचार करने के लिये बाध्य किया और नेपोलियन को अपने विचारों में परिवर्तन करना पड़ा। इंगलैण्ड से युद्ध के भय तथा उपरोक्त अन्य कारणों ने उसे विवश कर दिया जिससे वह लुइसिआना लुइसिआना को बेचने के लिये तैयार हो गया। फ्रांस ने छ: करोड़ फ्रेंक्स (1,50,00,000 डॉलर) में लुइसिआना पर अपने समस्त अधिकारों का परित्याग कर दिया। इस समझौते के हो जाने पर लीविंगस्टन को इतनी प्रसन्नता हुई कि उसने उत्साह में मनरो को चिल्ला कर कहा कि यह उसके जीवन का सबसे महान कार्य है।

लुइसिआना का सौदा तो हो गया लेकिन जैफरसन को कुछ संकोच रहा। प्रश्न यह था कि क्या इस सौदे को पूरा करने के लिये संवैधानिक संशोधन करना आवश्यक है? जैफसन ने सैद्धान्तिक दृष्टिकोण को तुरन्त त्याग दिया और संधि को मान्यता प्रदान कर दी। इस प्रकार अमेरिकन राष्ट्र के जीवन में जैफसन ने एक महान कार्य किया।

Scanned with CamScanner

लगभग दस लाख वर्ग मील का भूभाग अमेरिका के राज्य में जोड़ दिया गया और इस प्रकार योरोपियन शक्तियों की उस नीति को जिसके द्वारा वे अमेरिकन विस्तार को रोकने की प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष इच्छायें रखते थे, धक्का पहुँचाया। लुइसियाना की प्राप्ति का समस्त अमेरिकनों ने स्वागत किया। केवल राजनैतिक कारणों से कुछ दृढ़ संघवादियों ने विरोध किया। कांग्रेस ने न्यू आर्लियन्स के क्षेत्र में एकआर्लियन्स की सीमा का निर्माण किया और उसके प्रशासन का उत्तरदायित्व राष्ट्रपति को प्रदान किया। इतना ही नहीं, कांग्रेस ने मिसिसीपी के पार के क्षेत्रों की खोज करने के लिये नियुक्त किया। इन साहसी लोगों ने अपने कार्य से ओरेगन के क्षेत्र पर अमेरिका के अधिकार को स्थापित करने में योगदान दिया। इस क्षेत्र के सम्बन्ध में भविष्य में इंग्लैंड से विवाद उत्पन्न हुआ। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि जैफरसन ने, जो अन्य कारणों से अमेरिका के इतिहास में अपना स्थान रखता है, लुइसियाना की प्राप्ति के द्वारा भी अमेरिकन राष्ट्र भविष्य को रचनात्मक रूप से एक उज्जवल सम्भावना प्रदान की।

(5) ट्रिपोली का युद्ध :- गैलेटिन की सुधार योजनाओं में सैनिक व्यय विशेषकर नौ-सेना सम्बन्धी व्यय में कमी करने की योजना थी। जैफरसन एक विशाल नौ-सेना के पक्ष में नहीं था। वह यह चाहता था कि छोटी-छोटी नावें रखी जायें जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर सशस्त्र किया जा सके। इस प्रकार वह एक प्रकार की अस्थायी नौ-सेना के पक्ष में था जो आवश्यकता पड़ने पर शक्तिशाली नौसेना में परिणत की जा सके। इसीलिये उसकी प्रस्तावित नौ-सेना को

'मास्कवीटो फ्लीट' कह कर संबोधित किया जाता था। लेकिन इस प्रकार की नौ-सेना समय पर धोखा दे सकती थी और ऐसा ही हुआ। क्योंकि 1805 में जब भूमध्य सागर में नौ-सेना भेजने का प्रश्न उत्पन्न हुआ तो केवल नौ सैनिक नावें समुद्री यात्रा करने की स्थिति में थीं।

भूमध्य सागर के क्षेत्र में ट्रिपोली, एल्जिर्स तथा ट्युनिस के शासकों ने डाकजनी को व्यवसाय बना रखा था और वे लोग माल लदे हुये उन्हीं जहाजों को छोड़ते थे, जो वार्षिक घूस देने के लिए तैयार होते थे। अमेरिका के व्यापारी जहाजों द्वारा भूमध्य सागर के क्षेत्र में व्यापार करते थे। उन्हें उत्तरी अफ्रीका के बारबरी पर पाशाओं की मांगे बढ़ती जा रही थीं और वे लोग समुद्री डाकुओं की तरह काम करने लगे थे। जैफरसन के समक्ष यह एक विचित्र समस्या थी कि क्या वह इन समुद्री डाकुओं की बढ़ती हुई मांगों को स्वीकार करले अथवा शक्ति का प्रयोग करके उन्हें सबक सिखाये? इसमें कोई संदेह नहीं कि युद्ध करना कठिन कार्य था लेकिन साथ ही यह अमेरिका के सम्मान का प्रश्न था। अमेरिका ने पहले भी योरोप में समुद्री व्यापार की स्वतंत्रता के प्रश्न पर इंगलैंड फ्रांस और स्पेन से संघर्ष किया था। जैफरसन जो युद्ध से घृणा करता था, विवश होकर इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि भूमध्य सागर के इन लुटेरे पाशाओं को सबक सिखाया जाये।

जैफरसन ने एक छोटी सी नौ-सेना त्रिपोली के पाशा के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिये भेजी क्योंकि उसने अपनी मांगों को बहुत बढ़ा दिया था। अमेरिका की नौ-सेना शक्ति पर्याप्त नहीं थी, इसलिये त्रिपोली का युद्ध 1802 से 1805 तक चलता रहा। अंत में त्रिपोली के पाशा पर भी इतना दबाव पड़ा कि वह संधि करने के लिये तैयार हो गया। यद्यपि इस संधि में भी क्षति पूर्ति की व्यवस्था रखी गई किन्तु अमेरिका ने अन्य योरोपीय शक्तियों की तुलना में अधिक सुविधायें प्राप्त कर लीं और उत्तर अफ्रीका के जल मार्गों में अपने झंडे के लिये सम्मान प्राप्त कर लिया। नौ-सेना सम्बन्धी इस कार्यवाही से एक तरफ तो अमेरिका की नौ-सेना शक्तिहीनता प्रकट हुई और दूसरी ओर नौ-सेना सम्बन्धी योग्य एवं अनुभवी सेनाध्यक्षों का जन्म हुआ। कमाडोर डेकेट, बेनब्रिज, सोमरी तथा प्रोबिल जैसे योग्य सेनाध्यक्ष अमेरिका की नौ-सेना के भविष्य के लिये उपलब्ध हुये। बारबरी तट के पाशा लोग सात वर्षों तक के लिये शान्त कर दिये गये और जब 1812 में इंग्लैंड से अमेरिका का युद्ध छिड़ा तो इन लोगों ने परिस्थिति का लाभ उठा कर फिर एक बार अमेरिका को चुनौती दी। उस समय कमाडोर डेकेटू अफ्रीका के तट पर गया और नजराने की प्रथा को समाप्त कर दिया।

इस प्रकार अमेरिका के रो का राष्ट्रपति पद पर रह कर जैफरसन ने न केवल जनता [illegible] को संतुष्ट किया बल्कि अमेरिका को भी एक विस्तृत और प्रधान को शक्तिशाली राष्ट्र बना दिया।